

- चेतनाहीन पुं. 1. पियाल नाम का वृक्ष 2. अल्प परिमाण 3. हानि, नाश।
- सन्नक वि.** (तत्.) छोटे कद का, नाटा पुं. पियाल वृक्ष।
- सन्नत वि.** (तत्.) 1. झुका हुआ, नत 2. सिकुड़ा हुआ 3. खिन्न।
- सन्नति स्त्री.** (तत्.) 1. आदरपूर्वक प्रणाम, प्रणति 2. विनम्रता 3. झुकाव।
- सन्नद्ध वि.** (तत्.) 1. किसी कार्य को करने के लिए उद्यत, तैयार 2. किसी से जुड़ा हुआ 3. युद्ध के लिए पूरी तरह से तैयार 4. निकटस्थ पास का।
- सन्नयन पुं.** (तत्.) 1. (ठीक तरह से किसी को) पास में लाना 2. (किसी से) संबद्ध करना।
- सन्न्यस्त वि.** (तत्.) 1. अच्छी प्रकार से रखा हुआ, जमा किया हुआ 2. सौंपा हुआ 3. त्यागा हुआ, विरक्त 4. फेंका हुआ 5. ठहराया हुआ।
- सन्नाटा पुं.** (तत्.) 1. (किसी अनपेक्षित कारण से) ध्वनि या शब्द रहित, निस्तब्धता, वातावरण, नीरवता, चुप्पी 2. निर्जनता 3. व्यावसायिक क्षेत्र में सहसा आई मंदी।
- सन्न्यसन पुं.** (तत्.) 1. अच्छी तरह से या पूर्ण रूप से वैराग्य 2. सांसारिक मोह-माया से विरक्ति 3. किसी चीज को सौंपना या सुपुर्द करना।
- सन्नाह पुं.** (तत्.) 1. युद्ध के लिए सशस्त्र तैयार होना 2. कवच।
- सन्निकट क्रि.वि.** (तत्.) अतिनिकट, अत्यंत समीप, बहुत नजदीक जैसे- उद्यान के सन्निकट सरोवर है, वार्षिक परीक्षाएं सन्निकट हैं।
- सन्निकर्ष पुं.** (तत्.) 1. समीप लाना 2. सामीप्य 3. उपस्थिति 4. संबंध 5. न्याय. इंद्रिय का शब्द, स्पर्श रूपादि विषय से संबंध।
- सन्निकाश वि.** (तत्.) 1. एक जैसी आभा या रूप बाला 2. मिलता-जुलता सा 3. समान, सदृश।
- सन्निकृष्ट वि.** (तत्.) समीप लाया हुआ, निकटस्थ, पास का पुं. सामीप्य, सान्निध्य।

- सन्निध पुं.** (तत्.) अति समीप, निकट।
- सन्निधाता पुं.** (तत्.) 1. समीप लाने वाला 2. जमा करने वाला 3. चोरी का माल समूल्य लेने वाला 4. पास रखने वाला 5. न्यायालय में लोगों को ले जाने वाला एक अधिकारी।
- सन्निधान पुं.** (तत्.) 1. पास रखना 2. सामीप्य 3. आधार 4. जमा करना 5. इंद्रिय विषय।
- सन्निधि स्त्री.** (तत्.) 1. निकटता, सामीप्य 2. योग [व्या., +न्याय] वर्णों या पदों की परस्पर निकटता, वाक्य में पदों की समीपता।
- सन्निपात पुं.** (तत्.) 1. किसी चीज का साथ-साथ गिरना 2. उतरना 3. एक साथ मिलना 4. कई वस्तुओं का मेल, संयोग 5. समूह 6. संगीत-एक ताल आयु. 1. वात, पित्त, कफ तीनों दोषों का एक साथ हो जाना 2. ऐसा भीषण ज्वर जो वात, पित्त, कफजन्य दोष के कारण होता है।
- सन्निबंध पुं.** (तत्.) 1. किसी चीज को दृढ़ता पूर्वक अच्छी तरह बाँधना 2. संबंध, संग 3. लगाव।
- सन्निबद्ध वि.** (तत्.) 1. जिसे अच्छी तरह मजबूती से बाँधा गया हो 2. किसी अन्य या दूसरे के सहारे दृढ़ता से टिका हुआ, जकड़ा हुआ।
- सन्निभ वि.** (तत्.) 1. बहुत चमकदार 2. समान, सदृश पुं. 3. प्रकाश।
- सन्निभृत वि.** (तत्.) 1. पूर्णरूप से जो गुप्त रखा गया हो, छिपाया हुआ 2. शिष्ट, चतुर।
- सन्निमग्न वि.** (तत्.) 1. जल या किसी तरल पदार्थ में पूरी तरह से डूबा हुआ जैसे- जल में सन्निमग्न।
- सन्नियोग पुं.** (तत्.) 1. उत्तम नियुक्ति 2. उचित आदेश 3. संयोग, संबंध 4. आसक्ति 5. विशेष परिस्थिति जन्य संतानोत्पत्ति हेतु उचित नियोग की प्राचीन प्रथा।
- सन्निरुद्ध वि.** (तत्.) 1. अच्छी तरह से रोका हुआ जैसे- सन्निरुद्ध वर्षा-जल 2. दबाया हुआ, जैसे- मृत्तिका में सन्निरुद्ध वृक्षपत्र 3. किसी वस्तु को एक जगह ठीक से इकट्ठा किया हुआ जैसे- सन्निरुद्ध तृण।